



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपलेख (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 133] नई विल्हमी, बृहस्पतिवार, अप्रैल 10, 1969/चैत्र 20, 1891

No. 133] NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 10, 1969/CHAITRA 20, 1891

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th April 1969

S.O. 1419.—Whereas a request has been received under section 3 of the Inter-State Water Disputes Act, 1956 (33 of 1956), from the Government of Andhra Pradesh to refer the water dispute regarding the inter-State river, Krishna, and river valley thereof, to a Tribunal for adjudication;

And whereas requests have also been received under that section from the Governments of Mysore and Maharashtra to refer the water dispute regarding the inter-State rivers, Krishna and Godavari, and river valleys thereof, to a Tribunal for adjudication;

And whereas the Central Government is of opinion that the water dispute regarding the inter-State river, Krishna, and river valley thereof, cannot be settled by negotiations;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 4 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Water Disputes Tribunal called 'the Krishna Water Disputes Tribunal', with headquarters at New Delhi, consisting of the following members nominated in this behalf by the Chief Justice of India, for the adjudication of the water dispute regarding the inter-State river, Krishna, and the river valley thereof, in accordance with the provisions of the said Act, namely:—

Chairman

(i) Shri Justice R. S. Bachawat, Judge of the Supreme Court of India.
Members(ii) Shri Justice N. L. Untwalia, Judge of the Patna High Court.
(iii) Shri Justice D. S. Mathur, Judge of the Allahabad High Court.

[No. DW.II.32(19)/68.]
By order and in the name of
the President of India.
K. P. MATHRANI, Secy.

सिवाई व बिजली मंत्रालय

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 10 प्रैल, 1969

सं. घा० 1420:—यतः आनंद्र प्रदेश की सरकार से अन्तर्राजिक जल विवाद अधिनियम, 1956 (1956 का 33) की धारा 3 के अधीन यह प्रार्थना प्राप्त हुई है कि अन्तर्राजिक नदी कृष्णा, तथा उसकी नदी घाटी, सम्बन्धी जल विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए किसी अधिकरण को निर्दिष्ट कर दिया जाए ;

और यतः मैसूर और महाराष्ट्र की सरकारों से भी उस धारा के अधीन यह प्रार्थनाएं प्राप्त हुई हैं कि अन्तर्राजिक नदियों, कृष्णा और गोदावरी, तथा उनकी नदी घाटीयों, सम्बन्धी जल विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए किसी अधिकरण को निर्दिष्ट कर दिया जाए ;

और यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि अन्तर्राजिक नदी कृष्णा, तथा उसकी नदी घाटी, सम्बन्धी जल विवाद को बात चीत द्वारा तय नहीं किया जा सकता ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, अन्तर्राजिक नदी कृष्णा, तथा उसकी नदी घाटी, सम्बन्धी जल विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए, उक्त अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार, “कृष्णा जल विवाद अधिकरण”, नामक एक जल विवाद अधिकरण एतद्वारा गठित करनी है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा और जिसमें भारत के मुख्य न्यायमूर्ति द्वारा इस निमित्त नामनिर्देशित निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात् :—

अध्यक्ष—

(1) श्री राजशीर सिंह बालाभत
न्यायाधीश,
उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली ।

सदस्य—

- (2) श्री नन्दलाल ऊटवालिया
उच्च न्यायालय, पटना के न्यायाधीश
- (3) श्री धात्री शरण माथुर
उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के न्यायाधीश ।

[सं. डी इडू I-32(19)/68]
भारत के राष्ट्रपति के आवेदन से और उनके नाम में
के० पी० मथुरी, सचिव ।

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER NOTIFICATION

New Delhi, the 10th April 1969

S.O. 1421.—Whereas requests have been received under section 3 of the Inter-State Water Disputes Act, 1956 (33 of 1956), from the Governments of Maharashtra and Mysore to refer the water dispute regarding the Inter-State rivers, Godavari and Krishna, and river valleys thereof, to a Tribunal for adjudication;

And whereas requests have also been received under that section from the Governments of Orissa and Madhya Pradesh to refer the water dispute regarding the inter-State river, Godavari, and river valley thereof, to a Tribunal for adjudication;

And whereas the Central Government is of opinion that the water dispute regarding the inter-State river, Godavari, and river valley thereof, cannot be settled by negotiations;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 4 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Water Disputes Tribunal called 'the Godavari Water Disputes Tribunal', with headquarters at New Delhi, consisting of the following members nominated in this behalf by the Chief Justice of India, for the adjudication of the water dispute regarding the inter-State river, Godavari, and the river valley thereof, in accordance with the provisions of the said Act, namely:—

Chairman

(I) Shri Justice R. S. Bachawat, Judge of the Supreme Court of India.

Members

(ii) Shri Justice N. L. Untwalia, Judge of the Patna High Court.

(iii) Shri Justice D. S. Mathur, Judge of the Allahabad High Court.

[No. DW.II.32(19)/68.]

By order and in the name
of the President of India.

K. P. MATHRANI, Secy.

सिवाई ज बिजर्म मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1969

सं. प्रा. 1422 :—यतः महाराष्ट्र और मैसूर की सरकारों से अन्तर्राजिक जल विवाद अधिनियम, 1956 (1956 का 33) की धारा 3 के अधीन यह प्रार्थना प्राप्त हुई है कि अन्तर्राजिक नदियों गोदावरी और कुणा, तथा उन की नदी बाटियों, सम्बन्धी जल विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए किसी अधिकरण को निर्दिष्ट कर दिया जाए ;

और यतः उड़ीसा और मध्य प्रदेश की सरकारों से भी उम धारा के अधीन यह प्रार्थनाएँ प्राप्त हुई हैं कि अन्तर्राजिक नदी, गोदावरी, तथा उसको नदी धाटी, सम्बन्धी जल विवाद को न्यायनिर्णयन, के लिए किसी अधिकरण को निर्दिष्ट कर दिया जाए ;

और यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि अन्तर्राजिक नदी, गोदावरी तथा उसकी नदी धाटी, सम्बन्धी जल विवाद को बातचीत द्वारा तय नहीं किया जा सकता ।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, अन्तर्राजिक नदी, गोदावरी, तथा उसकी नदी धाटी, सम्बन्धी जल विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए उक्त अधिनियम के उपबंधों के अनुसार, 'गोदावरी, जल विवाद अधिकरण', (मक एक जल विवाद अधिकरण एतदद्वारा गठित करती है, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा और जिसमें भारत के मुख्य न्यायमूर्ति द्वारा इस निमित्त नामनिवेशित निम्नलिखित मदम्य होगे अर्थात् :—

अध्यक्ष

श्री रणधीर सिंह व. छावत.

न्यायाधीश,

उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली ।

मदस्य

(2) श्री नन्द लाल ऊंटवालिया,
उच्च न्यायालय, पटना के न्यायाधीश

(3) श्री घासी शरण माथूर
उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के न्यायाधीश

[सं. डी इड्स II-32 (19)/68]

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से और उनके नाम में

के० पी० मथुरानी, सचिव ।